४. मेरा भला करने वालों से बचाएं

आकलन

१. (अ) लिखिए :

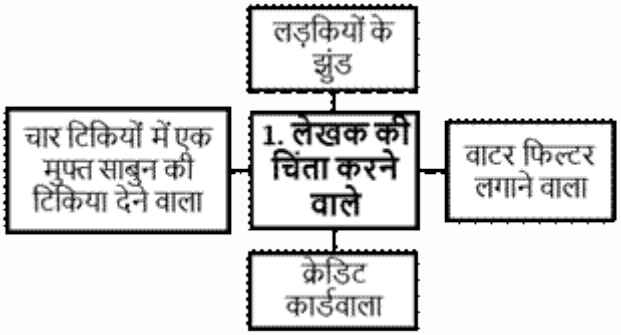

(२) लेखक का योग के प्रति मोह भंग हो गया है –

एक दिन लेखक योग वालों के दायरे में शामिल हो गए और उन्हें पता चला कि आपको ठहाका लगाने का आधार एक-दूसरे को चुटकुला सुनना है। जब लेखक को योग वालों के ठहाका लगाने का राज समझ में आ गया, तब उनका योग के प्रति मोह भंग हो गया।

(आ) कारण लिखिए

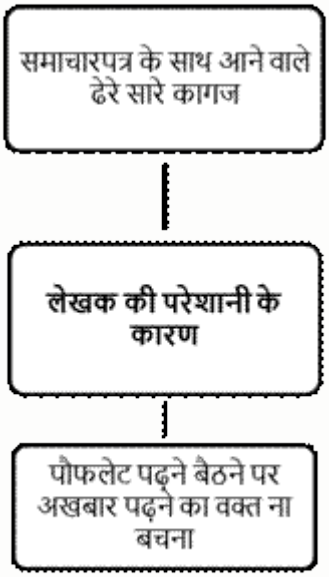

शब्द संपदा

२. (अ) उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए

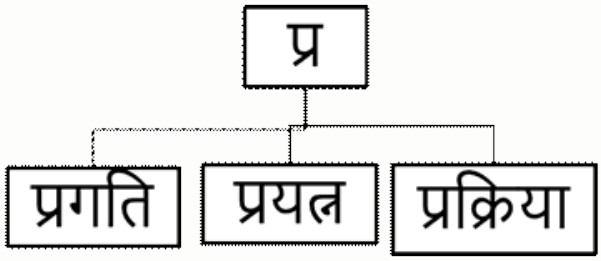

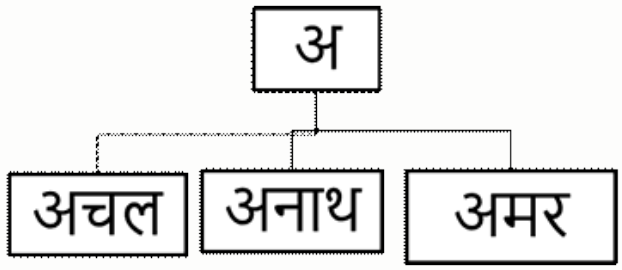

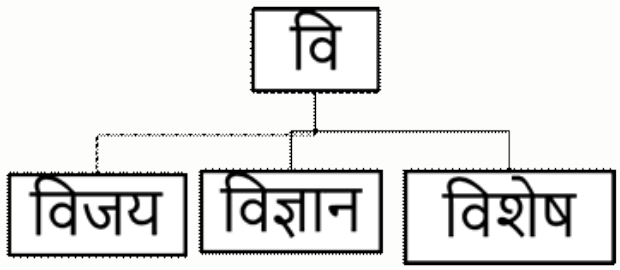

4. **प्रत्ययुक्त शब्द लिखिए**

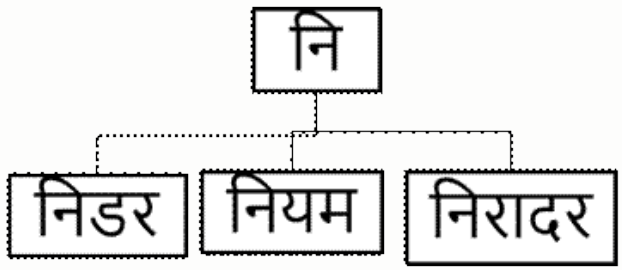

1.

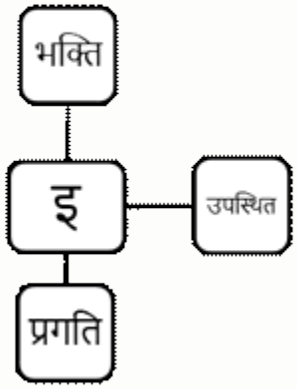

2.

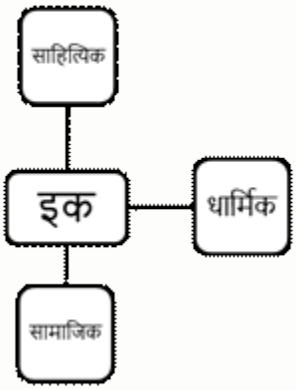

3.

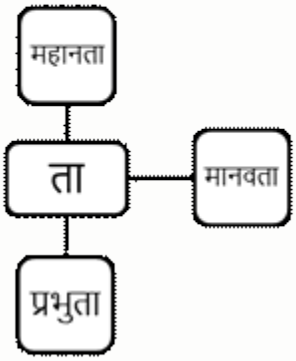

4.

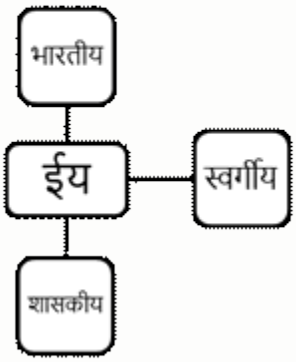

अभिव्यक्ति

3.मुफ्त में मिलने वाली चीजों के प्रति लोगों की मानसिकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : ग्राहक कोई सामान तभी खरीदता है, जब उसे उसकी आवश्यकता होती है। पर कभी-कभी आवश्यकता न होने पर भी किसी कारण से वह सामान खरीद लेता है। इस कारण में प्रमुख है।
उसे कोई-न-कोई लालच दिखाकर सामान खरीदने के लिए प्रेरित किया जाना। इनमें मुफ्त सामान देना, कम कीमत या आधी कीमत में सामान देने का लालच होता है।
इस प्रकार के मुफ्त सामान बिक्री केंद्रों में ग्राहकों की भारी भीड देखी जाती है। ऐसे बिक्री केंद्रों से लोग मुफ्त सामान के आकर्षण में अनावश्यक सामान भी खरीद लाते हैं। व्यापार का नियम है, घाटे में कोई सीमा न करना। व्यापारी सामान में लगी लागत और अपना नाम लेकर ही चीज बेचता है। कुछ ग्राहकों को इस बात की जानकारी भी होती है कि व्यापारी ग्राहकों को मुफ्त में दिए जाने वाले सामान की कीमत किसी-न- किसी तरीके से निकाल ही लेता है। फिर भी लोग मुफ्त की चीजों को लेने का लालच संवरण नहीं कर पाते और उसका लाभ लेने पहुँच ही जाते हैं। इसलिए इस तरह के विक्री केंद्रों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जाती है।

पाठ पर आधारित लघूत्तरी प्रश्न

4. (अ) पाठ के आधार पर ग्राहकों की वर्तमान स्थिति का चित्रण कीजिए।

उत्तर : आज के ग्राहकों की स्थिति में बहुत बदलाव आया है। पुराने जमाने के ग्राहक अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदते थे। आज के ग्राहक को चीजें खरीदने के लिए उसके आसपास रहने वाले अनेक लोग तरह-तरह का लालच दिखाकर प्रेरित करते हैं, भले ही उसे उन वस्तुओं की आवश्यकता हो या नहीं। इसलिए आज का ग्राहक दिग्भ्रमित है। लालच में आकर वह ऐसी चीजें खरीद ला रहा है, जिसके साथ कुछ मुफ्त मिल

रहा हो, चाहे वे उसके कुछ काम आएँ या न आएँ। क्रेडिट कार्ड वाले से फ्री डेबिट कार्ड देने का लालच दे रहा है।गाड़ीवाला उसे नई गाड़ी खरीदने के कागज दे रहा है, तो साथ में लोन लेने के लिए, उसे बैंक के कागज भी मिल रहे हैं। कोई ग्राहक के घर मे साफ पानी पीने के लिए वाटर फिल्टर लगाना चाह रहा है, तो कोई भारत माँ का सच्चा सपूत होने के नाम पर महँगी साड़ियाँ और कुर्ते सस्ते भाव में ग्राहकों को टिकाने की कोशिश कर रहा है। वास्तव में यह माल पहले से ही सेकेंड का रस्ता माल होता है। इतना ही नहीं त्योहारों पर होने वाली छुट्टियों के बहाने दुकानदार ग्राहक के घर में आवश्यकता से अधिक माल भर देना चाहता है। सिमकार्ड और टॉक टाइम मुफ्त देकर ग्राहक को महँगा मोबाइल खरीदने के लिए आकर्षित कर लिया जाता है। ब्यूटी पार्लर वाला वाला वाला ग्राहक से उसके पैर के नाखून काटने के हजार रुपए वसूल कर लेता है और यह सब किया जाता है ग्राहक का भला करने के नाम पर। इस तरह आज के ग्राहकों स्थिति बड़ी विचित्र है। उन्हें इन भला करने वालों' से बचाने की आवश्यकता है। तभी ग्राहकों का उद्धार हो सकता है।

(आ) अखबार के दफ्तर से आए दो युवकों से मिले लेखक के अनुभव को अपने शब्दों में लिखिए ।

उत्तर : एक दिन लेखक के पास दो युवक आते हैं। वे अपने आप को अखबार के दफ्तर से आया हुआ बताते है। वे लेखक से कहते है कि वे फिल्में दिखाते हैं और उन पर उनकी राय के लिए उन्हें बुलाएँगे। लेखक को उनकी बात सुनकर अच्छा लगता है। उनकी सहमति पाकर दोनों युवक अपना काम शुरू कर देते हैं। इस बीच लेखक को किसी काम में लगा हुआ देखकर वे उनके सामने हस्ताक्षर के लिए एक कागज रख देते हैं। वे उनसे कहते हैं कि कागज में लिखी बातों को पढ़ने में केवल समय की बर्बादी होगी। इसलिए वे बस हस्ताक्षर कर दें। लेखक उनकी कही गई बातों पर विश्वास करके कागज पर हस्ताक्षर कर देते हैं। बाद में वे अखबार के दफ्तर से बुलावा आने की राह देखते रहते हैं। बुलावा तो नहीं आता, पर एक दिन उन्हें एक विदेशी बैंक का क्रेडिट कार्ड मिलता है। खोजबीन करने पर उन्हें पता चलता है कि उन्होंने जिस कागज पर हस्ताक्षर किया था, वह उस विदेशी बँक के क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन पत्र था। अखबार के आफिस से आए युवकों का इस विदेशी बैंक से कॉंट्रैक्ट था। लेखक को बिना कागज पढ़े उस पर हस्ताक्षर करने की अपनी गलती का अहसास होता है।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

5. जानकारी दीजिए:
(अ) राजेंद्र सहगल जी की साहित्यिक कृतियाँ।
उत्तर : (1) हिंदी उपन्यास, तीन दशक (शोध प्रबंध)

(2) असत्य की तलाश, धर्म बिका बाजार में (व्यंग्य संग्रह)

(ब) अन्य व्यंग्य रचनाकारों के नाम।
उत्तर : हिंदी के अन्य व्यंग्य रचनाकारों के नाम इस प्रकार है:

(1) श्रीलाल शुक्ल (2) हरिशंकर परसाई (3) के. पी. सक्सेना

(4) रवींद्रनाथ त्यागी (5) शरद जोशी (6) शंकर पुणतांबेकर।

6.निम्नलिखित रसों के उदाहरण दीजिए:
(1) वीर रस (2) करुण रस (3) भयानक रस।

उत्तर : (1) वीर रस : वीर रस के उदाहरण निम्नलिखित हैं :
(1) दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में वह तलवार पुरानी थी।
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झांसी वाली रानी थी।
(2) चला इंद्रजित अतुलित जोधा। बंधु निधन सुनि उपजा क्रोधा।।
कपि देखा दारुन भट आवा। कटकटी गर्जा अरु धावा।।
अति विशाल तरु एक उपारा। बिरथ कीन्ह लंकेश कुमारा।।
रहे महाभट ताके संगा। गहि-गहि कपि मर्दइ निज अंगा।।
तिनहि निपाति ताहिसन बाजा। भिरे जुगल मानहुँ गजराजा।।
मुठिका मारि चढ़ा तरु जाई। ताहि एक छन मुरछा आई ।।
(2) करुण रस:
(1) अबला जीवन हाय! तुम्हारी यही कहानी।
आँचल में है दूध और आँखों में पानी।।
(2) वह आता -
दो-ट्रक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक चल रहा लकुटिया टेक
मुट्ठी भर दाने को, भूख मिटाने का
मुँह फटी झोली फैलाता।
(3) प्रियपति! वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ है,
दुख, जल निधि डूबी का सहारा कहाँ है!
लख मुख जिसका में आज जी सकी हूँ,
वह हृदय हमारा नयनतारा कहाँ है।
(3) भयानक रस:
(1) उधर गरजती सिंधु लहरिया ।
कुटिल काल के जालों-सी।
चली आ रही फेन उगलती
फन फैलाए व्यालों-सी ।
(2) हाट-बाट, कोट-ओट अटनि अगार पौरि।
खौरि-खौरि दौरि-दौरि दीन्ही अति आगि है।
आरत-पुकारत सम्हारत न कोऊ काहू
व्याकुल जहाँ सो तहाँ लोग चले भागी हैं।

बालधी फिरावें, बार-बार झुरावे, झरे।
बुंदिया-सी, लंक पिलाय पागि-पागि है।
तुलसी विलोकि अकुलानि जातुधानी कहें,
चित्रहू के कपि से निसाचर न लागि हैं।